बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-260
24/06/2022

मुख्यमंत्री ने तीन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का किया लोकार्पण

- अब अटल पथ को जे0पी0 गंगा पथ से भी जोड़ दिया गया है। गाँधी मैदान एवं पी0एम0सी0एच0 तक लोग काफी कम समय में पहुँच सकेंगे। जे0पी0 गंगा पथ से लोगों को काफी सुविधा मिलेगी।

- जे0पी0 गंगा पथ का जब दूसरा फेज बनकर तैयार हो जायेगा तो दक्षिण हो या उत्तर हर तरफ जाने में लोगों को सहूलियत होगी।

पटना, 24 जून 2022 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज पटना में तीन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं– 3,831 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले जे0पी0 गंगा पथ के पथांश (दीघा से पटना चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल तक), 69.55 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अटल पथ फेज–2 एवं 23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित रेलवे ऊपरी पुल के मीठापुर छोर का लोकार्पण किया। सबसे पहले मुख्यमंत्री ने मीठापुर आर0ओ0बी0 जाकर 23 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित रेलवे ऊपरी पुल के मीठापुर लेग के शिलापट्ट का अनावरण एवं फीता काटकर लोकार्पण किया।

स्थानीय लोगों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को पुष्प–गुच्छ भेंटकर उनका अभिनंदन किया। मीठापुर आर0ओ0बी0 के पश्चात मुख्यमंत्री ने अटल पथ फेज–2 के शिलापट्ट का अनावरण कर जनता को समर्पित किया। 3831 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले जे0पी0 गंगा पथ के पथांश के लोकापर्ण को लेकर दीघा स्थित जे0पी0 गंगा पथ गोलंबर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर दीघा से पटना चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल तक जे0पी0 गंगा पथ के एक हिस्से का लोकार्पण किया। पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष जे0पी0 गंगा पथ के निर्माण यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र प्रदर्शित की गयी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं में अहम योगदान देने वाले अधिकारियों/अभियंताओं, संवेदकों एवं दो दिवंगत अभियंताओं के परिजनों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सबसे पहले सभी उपस्थित लोगों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज जे0पी0 गंगा पथ के एक हिस्से का उद्घाटन हो रहा है। इसको लेकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। जे0पी0 के जन्मदिवस पर वर्ष 2013 के 11 अक्टूबर को इस काम की शुरुआत की गयी थी। पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों ने इस

काम को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए अनेक तरीके से प्रयास किये। जे0पी0 गंगा पथ फेज–1 की दूरी (दीघा से दीदारगंज) 20 किलोमीटर है, जिसका एक हिस्सा बनकर तैयार हुआ है। पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों ने मुझे आश्वस्त किया है कि जे0पी0 गंगा पथ फेज–1 के शेष हिस्से का निर्माण कार्य अगले साल के अंत तक यानी वर्ष 2024 के शुरुआत में बनकर पूरे तौर पर तैयार हो जाएगा। शुरुआत में ही हमने कहा था कि इसका नामकरण लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम पर किया जाएगा। इस तरह से इसका जे0पी0 गंगा पथ नामकरण किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत ही अच्छे ढंग से काम हो रहा है। अटल पथ फेज–2 का भी आज लोकार्पण हो चुका है। अटल पथ का नामकरण श्रद्धेय अटल बिहार बाजपेयी जी के नाम पर किया गया है, वहॉ पहले रेलखण्ड था। उस रास्ते में पहले जो ट्रेन चल रही थी, उस पर कोई ट्रेवल नहीं करता था। केंद्र सरकार से बात करके काफी कोशिश करने के बाद वहां अटल पथ का निर्माण कराया गया। अब अटल पथ कितना सुंदर लगता है। लोगों को भी काफी फायदा है, आवागमन में सहूलियत मिल रही है। अब अटल पथ को जे0पी0 गंगा पथ से भी जोड़ दिया गया है। गाँधी मैदान एवं पी0एम0सी0एच0 तक अब लोग काफी कम समय में पहुँच सकेंगे। जे0पी0 गंगा पथ से लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। मेरी इच्छा है कि शेष काम तेजी से पूर्ण हो। जे0पी0 गंगा पथ बनने से कितना सुंदर दृश्य बन गया है। आसपास के लोगों में काफी खुशी है। पर्यटन का विकास होगा तो लोग यहां बाहर से आएँगे। इससे बहुत सुविधाएं बढ़ गई हैं। अब नदी के किनारे कितना सुंदर देखने में लग रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मीठापुर आर0ओ0बी0 के काम में काफी दिनों से हमलोग लगे हुए थे जो रुका हुआ था, वो भी अब पूर्ण हो गया है। अटल पथ का भी विस्तार हो गया है। जे0पी0 गंगा पथ का जो बचा हुआ हिस्सा है, उसे पूरा किया जाएगा। इसके बाद हमलोग दोनों तरफ इसका विस्तार करेंगे। इसके बन जाने से काफी सहुलियत होगी। इस काम में 8–9 साल से लगे हुए हैं। जब एक फेज बनकर तैयार हो जाएगा तो दूसरे फेज का काम शुरू किया जाएगा। मुझे खुशी है कि एक से डेढ़ साल के अंदर जे0पी0 गंगा पथ फेज–1 बनकर तैयार हो जाएगा। इसके निर्माण के मद्देनजर सारी बातों का आंकलन एवं अध्ययन कराकर एक–एक बात का ख्याल रखा गया है। इसकी लागत 3,831 करोड़ रूपये है। यह बढ़ भी सकता है। हमलोग दूसरा फेज बनाने का मन भी बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि पटना का पुराना नाम पाटलिपुत्र है। ये सब जब बनकर तैयार हो जाएगा तो नई पीढ़ी के लोग ढाई हजार साल पुराने इतिहास को भी याद कर सकेंगे। पुराने इतिहास को ध्यान में रखते हुए भी हमलोग काम कर रहे हैं। जरूरत पड़ी तो खुदाई भी करायेंगे ताकि पुराने इतिहास से लोग अवगत हो सकें। पटना की अपनी खासियत है। बिहार एक गरीब राज्य है, बावजूद इसके विकास के हर काम किये जा रहे हैं। बिहार को विकसित बनाने के लिए हमलोग हरसंभव कोशिश में जुटे हुए हैं ताकि देश के विकास में बिहार का अहम योगदान हो। जे0पी0 गंगा पथ का जब हमलोग दूसरा फेज बना देंगे तो दक्षिण हो या उत्तर हर तरफ जाने में लोगों को सहूलियत होगी। पाटलि पथ से एम्स आने जाने में लोगो को बहुत सहुलियत होगी। पी0एम0सी0एच0 को इतना बड़ा बनाया जा रहा है कि देश में इतना बड़ा अस्पताल कहीं नहीं है। इसके बन जाने से किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। तबीयत खराब होने पर लोग आसानी से इलाज करा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जे0पी0 गंगा पथ के निर्माण से लोग काफी प्रसन्न हैं, यह देखकर मुझे बहुत अच्छा लगता है। आप सभी को मैं धन्यवाद देता हूँ। यह आप ही लोगों का है इसलिए इसे हर हाल में सुरक्षित रखियेगा। कोई तोड़फोड़ न करे इसका ध्यान रखिएगा। इस इलाके का विकास होगा तो आपके इलाके का महत्व काफी बढ़ जाएगा। विकास का काम

करने के लिए हमलोग सदैव प्रयत्नशील हैं। इस परियोजना में अहम योगदान देने वाले दो दिवंगत अभियंताओं को भी आदर देने की कोशिश की गयी है और कार्य करने वाले अभियंताओं को भी सम्मानित किया गया है। इस मौके पर आप सभी का अभिनंदन करते हुए पथ निर्माण विभाग को धन्यवाद देता हूँ।

कार्यक्रम को पथ निर्माण मंत्री श्री नितिन नवीन, सांसद श्री रविशंकर प्रसाद, विधायक श्री संजीव चौरसिया, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी एवं अपर मुख्य सचिव पथ निर्माण श्री प्रत्यय अमृत ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विधान पार्षद श्री देवेश चन्द्र ठाकुर, विधान पार्षद श्रीमती कुमुद वर्मा, विधान पार्षद श्रीमती रोजीना नाजिश, पूर्व विधायक श्री राजकुमार राय, अपर मुख्य सचिव वित्त सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, प्रमंडलीय आयुक्त पटना सह सचिव भवन निर्माण श्री कुमार रवि, सचिव पथ निर्माण श्री संदीप पुदकलकट्टी, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, जिलाधिकारी श्री चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री मानवजीत सिंह ढिल्लो सहित पथ निर्माण विभाग के अधिकारीगण/अभियंतागण/कर्मीगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******